बिहार विधान परिषद् से प्राप्त संदेश।

MESSAGES RECEIVED FROM THE BIHAR LEGISLATIVE COUNCIL.

SECRETARY TO ASSEMBLY : Sir, the following messages have been received from the Bihar Legislative Council :—

(1) The Bihar Legislative Council at its meeting held yesterday considered and passed without any recommendation the Bihar Finance Bill, 1952.

(2) The Bihar Legislative Council at its meeting held yesterday considered and passed without any recommendation the Bihar Aprropriation (Vote on Account) Bill, 1952.

(3) The Bihar Legislative Council at its meeting held yesterday agreed without any amendment to the Bihar School Examination Board Bill, 1952.

श्री मोइनुद्दीन अहमद खां की ६० दिन से अधिक अनुपस्थिति पर विचार।

ABSENCE OF SHRI MOINUDDIN AHMAD KHAN FROM THE MEETINGS OF THE ASSEMBLY FOR MORE THAN SIXTY DAYS.

माननीय अध्यक्ष—माननीय सदस्यगण,

मुझे आपको यह सूचना देनी है कि बिहार विधान सभा नियमावली के नियम ५४ के उप-नियम (५) के अधीन और संविधान के अनुच्छेद १९० के खंड (४) में बतायी गई रीति से गिनती करने पर श्री मोइनुद्दीन अहमद खां इस विधान-सभा के अधिवेशनों से, सदन की अनुमति के बिना ६० दिनों से अधिक अनुपस्थित रहे हैं और सभा के उपर्युक्त नियम के उपनियम (१) के अनुसार उनकी अनुपस्थिति की अनुमति के लिये कोई आवेदन-पत्र भी प्राप्त नहीं हुआ है। अब सभा को यह विचार करना है कि इनके स्थान को रिक्त घोषित किया जाय या नहीं। सभा की क्या राय है? क्या इनका स्थान सभा रिक्त करना चाहती है?

कई माननीय सदस्य—अब उनका स्थान क्या रिक्त घोषित किया जायेगा? लेट हिम डाई ए नेचुरल डेथ।

माननीय अध्यक्ष—अच्छी बात है। उनका स्थान रिक्त घोषित नहीं किया जाता है।

सत्रावसान के सम्बन्ध में माननीय अध्यक्ष का वक्तव्य।

OBSERVATION OF HON'BLE THE SPEAKER REGARDING THE TERMINATION OF THE SESSION.

माननीय अध्यक्ष—अब मुझे सदन को एक सूचना देनी है। ३१ मार्च को इस सभा का सत्र समाप्त हो जायेगा। उस दिन माननीय सदस्यों को सुविधा होगी यदि बैठक सुबह में हो। माननीय मुख्य मंत्री का सदन में रहना आवश्यक है और उनको भी यहां पर ९ बजे आने में सुविधा होगी, इसलिए उस दिन की बैठक ९ बजे से शुरू होगी।

सभा सोमवार, तिथि ३१ मार्च, १९५२ को ९ बजे तक स्थगित की गई।

बि० रा० मु० (एल०ए०) ५१(ए)—७९४+१—मोनो—२९-७-१९५३—दी०सिंह

मोहनिया से भभुआ जानेवाली सड़क ।

*१२९ । श्री गुप्तनाथ सिंह—क्या माननीय मंत्री, सार्वजनिक निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि मोहनिया से भभुआ जानेवाली सड़क को जिला बोर्ड से सार्वजनिक निर्माण विभाग ने ले लिया है;

(ख) यदि खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो उक्त सड़क कब ली गई थी और उसके निर्माण का भार सार्वजनिक विभाग अबतक क्यों नहीं ले सका है ?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अंसारी—(क) जी, नहीं ।

(ख) यह प्रश्न ही नहीं उठता ।

श्री जगन्नाथ सिंह—क्या सरकार को यह मालूम है कि इस सड़क के फाइव इयर-प्लान में सम्मिलित होने से डिस्ट्रिक्टबोर्ड ने ओर्डीनरी रिपेयर करना भी छोड़ दिया है ?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अंसारी—यह सड़क पंच वर्षीय युद्धोत्तर पथ-विकास योजना में सम्मिलित है किन्तु हाथ में अत्यधिक कार्य, आर्थिक संकट और दूसरी-दूसरी कठिनाइयों के कारण इस सड़क का प्रांतीयकरण अभीतक संभव नहीं हुआ । परिस्थिति अनुकूल होने से इसका प्रांतीय करण हो सकता है ।

विक्रम-मोहनिया रोड ।

*१३० । श्री गुप्तनाथ सिंह—क्या माननीय मंत्री, सार्वजनिक निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि विक्रम-मोहनियां रोड को सरकार ने पक्की सड़क बनाने के लिये बहुत पहले ही स्वीकृति दी थी;

(ख) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क अत्यन्त महत्वपूर्ण है और उसकी हालत बहुत खराब हो गई है जिससे यातायात कार्य में भारी बाधा पहुंच रही है ?

(ग) यदि खंड (क) और (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार उक्त सड़क के शीघ्र निर्माण के लिए क्या उपाय करना चाहती है ?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अंसारी—(क) जी नहीं ।

(ख) कुछ हद तक यह बात सही है ।

(ग) मोहनियां-बिक्रमगंज सड़क राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या न० ३० का भाग बनाने का विचार था । इसके सुधार के लिए राज्य सरकार ने एक सर्वे-एस्टीमेट बना कर केन्द्रीय सरकार के पास भेजा था पर केन्द्रीय सरकार ने अर्थसंकट तथा अन्य कारणों से इस पर स्वीकृति नहीं दी । अतः निकट भविष्य में इस सड़क के सुधार की संभावना नहीं है ।

इस सड़क का निर्माण तथा सुधार अनिश्चित जान कर राज्य सरकार ने केन्द्रीय सरकार को मोहनियां-बिक्रमगंज-पीरो-विहिया-आरा सड़क की जगह आरा-विहिया, तथा आरा-ससराम सड़कों का, अधिक महत्वपूर्ण होने की वजह से, मरम्मत खर्च देने को लिखा था । केन्द्रीय सरकार ने केवल आरा-ससराम की मरम्मत और सुधार का खर्च देना स्वीकार किया है ।